महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय
बीकानेर

वार्षिक प्रशासनिक प्रतिवेदन
2019–20

संक्षिप्त इतिहास

बीकानेर विश्वविद्यालय, बीकानेर, की स्थापना बीकानेर विश्वविद्यालय अधिनियम, 2003 (अधिनियम संख्या 13) के राजस्थान राजपत्र विशेषांक भाग 4 (क) दिनांक 07 जून, 2003 के द्वारा हुई। बीकानेर विश्वविद्यालय अधिनियम, 2003 की धारा 4 (1) में अंकितानुसार इस विश्वविद्यालय के कार्यक्षेत्र में बीकानेर संभाग के चार जिले यथा बीकानेर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ एवं चूरू सम्मिलित हैं। राजस्थान राजपत्र क्रमांक F. 4 (14) Vidhi/ 2/ 2008 dated October 03, 2008 (राज्यपाल महोदय की अनुमति दिनांक 02-10-2008) के द्वारा बीकानेर विश्वविद्यालय, बीकानेर का नाम परिवर्तित कर महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर, किया गया। उल्लेखनीय है कि महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर में सम्मिलित क्षेत्र का भू-भाग भौगोलिक दृष्टि से रेगिस्तानी एवं पाकिस्तान सीमावर्ती होने के साथ-साथ शैक्षणिक एवं सामाजिक दृष्टि से काफी पिछड़ा हुआ है।

इस विश्वविद्यालय ने अपना औपचारिक कार्य तत्कालीन विशेषाधिकारी श्री एम.एम. व्यास, आर.ए.एस. के द्वारा 13.06.2003 को कार्यभार ग्रहण करने के साथ प्रारम्भ किया। प्रथम कुलपति के रूप में प्रो. होशियार सिंह ने 21.08.2003 को कार्यभार ग्रहण किया। विश्वविद्यालय में पदस्थापित नियमित कुलपतियों के कार्यकाल का विवरण निम्नानुसार है :-

क्र.स.	नाम	कब से	कब तक
1	प्रो. होशियार सिंह	21.08.2003	11.01.2006
2	डॉ. सी.बी. गेना	08.08.2006	31.05.2009
3	प्रो. गंगाराम जाखड़	12.12.2009	11.12.2012
4	प्रो. चन्द्रकला पाडिया	15.11.2013	14.11.2016
5	प्रो. भगीरथ सिंह	04.02.2017	03.02.2020

विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2019 तक की मुख्य व पूरक परीक्षाएं सफलता पूर्वक आयोजित करवाई जा चुकी हैं। साथ ही विश्वविद्यालय द्वारा परीक्षा वर्ष 2017 तक के स्नातक, स्नातकोत्तर परीक्षाओं में सफलतम अभ्यर्थियों एवं 31 जनवरी, 2017 तक शोध कार्य पूर्ण करने वाले शोधार्थियों को दीक्षान्त समारोह आयोजित कर उपाधि प्रदान की जा चुकी हैं।

विश्वविद्यालय की स्थापना के समय महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर से सम्बद्धता प्राप्त 67 महाविद्यालय, इस विश्वविद्यालय के क्षेत्राधिकार में स्थानान्तरित हुए। कालांतर में निजी महाविद्यालयों की संख्या में तीव्रता से वृद्धि हुई तथा वर्तमान में 423 महाविद्यालय विश्वविद्यालय से सम्बद्ध हैं जिनमें से 34 राजकीय एवं 389 निजी महाविद्यालय हैं। विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2011-12 से पांच विभाग यथा इतिहास, अंग्रेजी, पर्यावरण विज्ञान, सूक्ष्म जीव विज्ञान एवं कम्प्यूटर विज्ञान संचालित हैं तथा सत्र 2019-20 से विधि विभाग प्रारम्भ किया है जिसमें विधि स्नातक एवं पांच वर्षीय विधि इन्टीग्रेटेड पाठ्यक्रम प्रारम्भ किया गया है।

सत्र 2017–18 से विश्वविद्यालय में विभागों के अधीन निम्नलिखित नवीन पाठ्यक्रम प्रारम्भ किये गए

1. एम.एससी. साईबर सिक्योरिटी
2. पी.जी.डी.सी.ए.
3. पी.जी.डिप्लोमा इन फार्मास्युटिकल माइक्रोबॉयोलॉजी
4. पी.जी. डिप्लोमा इन एनवायरमेंट लॉ
5. बी.ए. आनर्स (इतिहास) प्रथम वर्ष
6. एम.ए. आर्कियोलोजी
7. एम.ए. वंशावली
8. एम. ए. म्यूजियोलोजी
9. पी.जी. डिप्लोमा आर्कियोलोजी
10. पी.जी. डिप्लोमा वंशावली
11. पी.जी. डिप्लोमा म्यूजियोलोजी

सत्र 2017–18 से विश्वविद्यालय में उद्यमिता विकास केन्द्र की स्थापना कर नवीन डिप्लोमा/सर्टिफिकेट कोर्स प्रारम्भ किये गए:–

1. डिप्लोमा कोर्स ऑफ योगा एवं प्राकृतिक चिकित्सा
2. सर्टिफिकेट कोर्स ऑफ योगा

विश्वविद्यालय में निम्नलिखित नवीन सेन्टर/सेल का गठन किया गया जो क्षेत्र के विकास में सहायक सिद्ध हो रहे हैं :–

1. पं. मदन मोहन मालवीय सेन्टर फॉर वैल्यू एज्युकेशन ।
2. सेन्टर फॉर एडवांस स्टडीज ऑफ थार डेजर्ट ।
3. सेन्टर फॉर वूमन स्टडीज ।
4. सेन्टर फॉर मार्जिनल सोसायटी (नामकरण -2019 डॉ. भीमराव अम्बेडकर सेन्टर फॉर मार्जिनलाईज्ड सोसायटी) किया गया।
5. सेन्टर फॉर एन्टरप्रिन्योरशिप एण्ड स्किल डवलपमेंट

सत्र 2019–20 से निम्नलिखित सेन्टर प्रारम्भ किये गए हैं :–

1. सेन्टर फॉर गॉधीयन स्टडीज : पीस एण्ड नॉन वाईलेन्स
2. सेन्टर फॉर म्युजियम एण्ड डॉक्यूमेंटेशन

सत्र 2018–19 से एन्टरप्रन्योरशिप एण्ड स्किल डवलपमेंट के अन्तर्गत निम्नलिखित कौशल विकास एवं रोजगार सृजक पाठ्यक्रम प्रारम्भ किये गए :–

1. डिप्लोमा इन पुरोहितान कर्मकाण्ड
2. डिप्लोमा इन लैब टैक्निशियन
3. बी.एससी. योग विज्ञान
4. एम.एससी. योग विज्ञान
5. डिप्लोमा इन बैकिंग एण्ड फाइनेंस
6. पी.जी. डिप्लोमा इन ट्रेवल एण्ड ट्यूरिजम मैनेजमेंट
7. पी.जी. डिप्लोमा इन न्यूट्रिशियन एण्ड डायटेटिक्स

विश्वविद्यालय में सत्र 2018–19 से विभागों के अन्तर्गत निम्नलिखित नवीन पाठ्यक्रम प्रारम्भ किये गए :–

1. एम.सी.ए.
2. पी.जी. डिप्लोमा इन इण्ड्रस्टीयल बॉयोटेक्नोलॉजी
3. पी.जी. डिप्लोमा इन ट्रांसलेशन

विश्वविद्यालय में सत्र 2018–19 से स्ववित्तपोषी योजनान्तर्गत निम्नलिखित नवीन पाठ्यक्रम प्रारम्भ किये गए :–

1. एम.ए. राजस्थानी
2. एम.ए. राजनीति विज्ञान
3. एम.ए. हिन्दी
4. एम.ए. भूगोल
5. बी.ए./बी.एससी. आनर्स भूगोल
6. लाईब्रेरी एण्ड इन्फोरमेंशन साइंस

विश्वविद्यालय में सत्र 2019–20 से पांच वर्षीय विधि इन्टीग्रेटेड पाठ्यक्रम प्रारम्भ किया गया है।

जनशक्ति

वर्तमान में प्रो. भगीरथ सिंह, कुलपति एवं श्री भंवर सिंह चारण (राजस्थान लेखा सेवा अधिकारी) कुलसचिव पद पर पदासीन हैं। विश्वविद्यालय अधिनियम, 2003 के प्रावधानानुसार विश्वविद्यालय संगठन का संस्थागत एवं प्रशासनिक ढांचा निम्नानुसार है :-

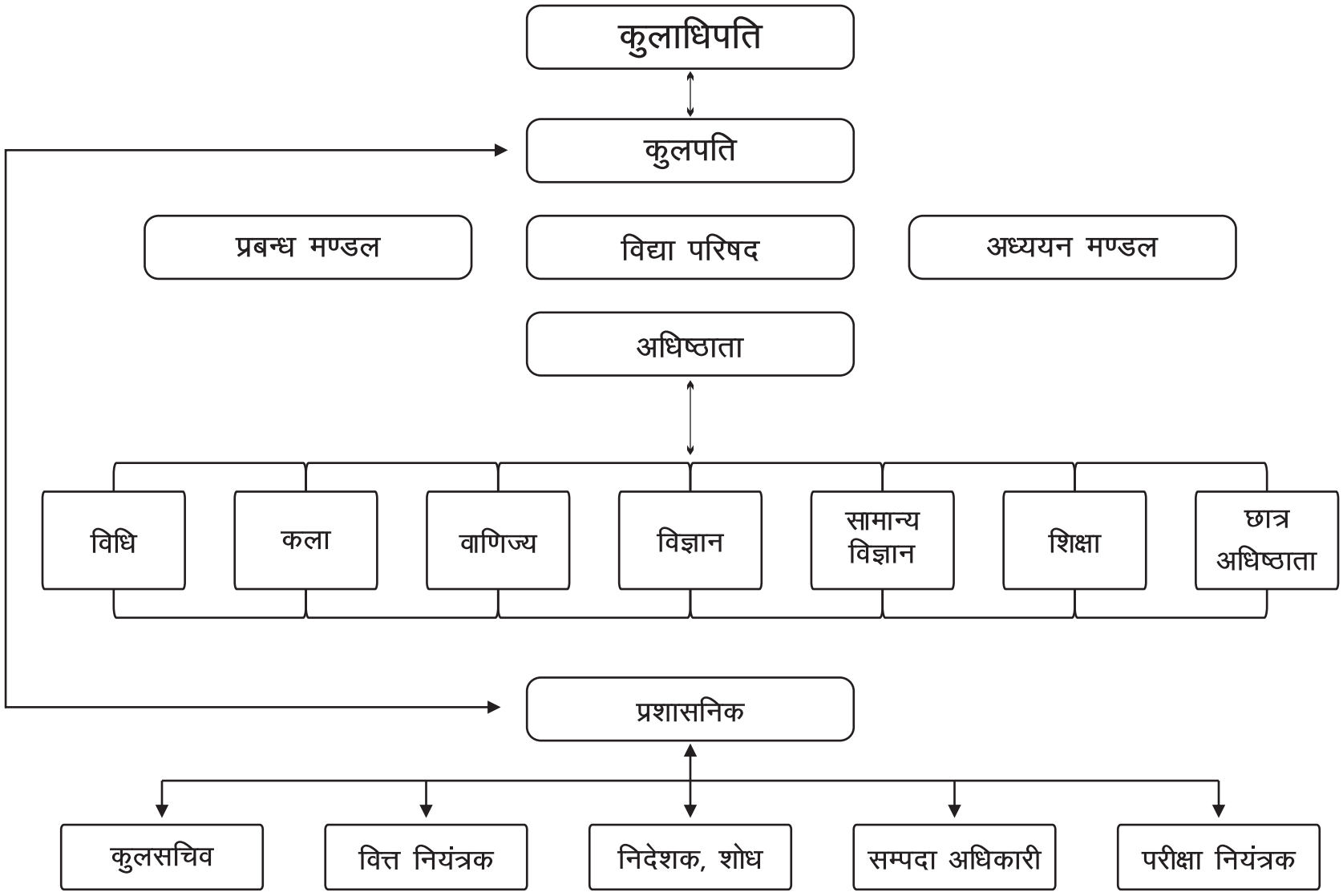
विश्वविद्यालय संगठन
कुलाधिपति
कुलपति
प्रबन्ध मण्डल
विद्या परिषद
अध्ययन मण्डल
अधिष्ठाता
विधि
कला
वाणिज्य
विज्ञान
सामान्य विज्ञान
शिक्षा
छात्र अधिष्ठाता
प्रशासनिक
कुलसचिव
वित्त नियंत्रक
निदेशक, शोध
सम्पदा अधिकारी
परीक्षा नियंत्रक

प्रबन्ध बोर्ड की संरचना

क्र.स.	नाम	पदनाम	पद	पता
1	प्रो. भगीरथ सिंह	कुलपति	अध्यक्ष	23, सिविल लाईन, बीकानेर
2		सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार	पदेन सदस्य	शासन सचिवालय, जयपुर
3		सचिव, वित्त विभाग, राजस्थान सरकार	पदेन सदस्य	शासन सचिवालय, जयपुर
4		आयुक्त, कॉलेज शिक्षा, राजस्थान	पदेन सदस्य	शिक्षा संकुल, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर
5.	प्रो. सुरेश कुमार अग्रवाल	कुलपति द्वारा नाम निर्देशित संकायाध्यक्ष	सदस्य	संकायाध्यक्ष-कला विभागाध्यक्ष-अंग्रेजी महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर
6.	प्रो. राजाराम चोयल	कुलपति द्वारा नाम निर्देशित संकायाध्यक्ष	सदस्य	संकायाध्यक्ष- विज्ञान आचार्य-पर्यावरण विज्ञान, महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर
7.	प्रो. अनिल कुमार छंगाणी	कुलपति द्वारा नाम निर्देशित विश्वविद्यालय आचार्य	सदस्य	विभागाध्यक्ष-पर्यावरण विज्ञान महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर
8.	प्रो. नारायण सिंह राव	कुलपति द्वारा नाम निर्देशित विश्वविद्यालय आचार्य	सदस्य	विभागाध्यक्ष - इतिहास महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर
9.	प्रो. लक्ष्मी शर्मा	माननीय कुलाधिपति महोदय द्वारा नाम निर्देशित शिक्षाविद्	सदस्य	फ्लेट न. 102, सूर्या नगर, तिलक नगर, जयपुर।
10.	रिक्त	माननीय कुलाधिपति महोदय द्वारा नाम निर्देशित शिक्षाविद्	सदस्य	
11.	रिक्त	राज्य सरकार द्वारा नाम निर्देशित राजकीय महाविद्यालय प्राचार्य	सदस्य	
12.	डॉ. अनन्त जोशी	राज्य सरकार द्वारा नाम निर्देशित राजकीय महाविद्यालय प्राचार्य	सदस्य	प्राचार्य, बी.जे.एस.आर. ,विधि महाविद्यालय, बीकानेर
13.	श्रीमती कृष्णा पूनियां	राज्य सरकार द्वारा नाम निर्देशित विधायक सदस्य	सदस्य	माननीय विधायक-सादुलपुर 297, कृष्णा निवास, वार्ड न. 14, राजगढ, जिला-चूरू (राज.)
14.	श्री जगदीश चन्द्र जांगिड	राज्य सरकार द्वारा नाम निर्देशित विधायक सदस्य	सदस्य	माननीय विधायक-सादुलशहर वार्ड न. 3, रेलवे क्रॉसिंग के पास, सादुलशहर जिला-श्रीगंगानगर (राज.)

15.	प्रो. विनोद चन्द्र	राज्य सरकार द्वारा नाम निर्देशित शिक्षाविद्	सदस्य	सह आचार्य, लखनऊ विश्वविद्यालय 204 लैण्डमार्क अपार्टमेन्ट, न्यू हैदराबाद, लखनऊ (उत्तरप्रदेश)
16.	डॉ. एन.एस. बिस्सा	राज्य सरकार द्वारा नाम निर्देशित शिक्षाविद्	सदस्य	एफ-714, जवाहर कला केन्द्र के पीछे, गांधी नगर, जयपुर (राज.)
17	श्री भंवर सिंह चारण	कुलसचिव	सदस्य सचिव	महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर

विद्या परिषद की संरचना

1	**प्रो. भगीरथ सिंह**	**अध्यक्ष**		महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर
2	प्रो. सुरेश कुमार अग्रवाल	सदस्य	संकायाध्यक्ष-कला	महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर
3	प्रो. राजाराम चोयल	सदस्य	संकायाध्यक्ष-विज्ञान	पर्यावरण विज्ञान, महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर
4	प्रो. नारायण सिंह राव	सदस्य	संकायाध्यक्ष-सामाजिक विज्ञान	महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर
5	डॉ. वी.एन. सिंह	सदस्य	संकायाध्यक्ष-विधि	प्राचार्य, राजकीय विधि महाविद्यालय, श्रीगंगानगर (राज.)
6	डॉ. मीनाक्षी मिश्रा	सदस्य	संकायाध्यक्ष-शिक्षा	भारती शिक्षक-प्रशिक्षण महाविद्यालय,श्रीगंगानगर
7	डॉ. मीनू पूनिया	सदस्य	संकायाध्यक्ष वाणिज्य	प्राचार्य, डी.ए.वी. पी.जी. महाविद्यालय, श्रीगंगानगर
8	प्रो. अनिल कुमार छंगाणी	सदस्य	आचार्य, विज्ञान संकाय	विभागाध्यक्ष, महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर
9	रिक्त	सदस्य	शासन सचिव, उच्च शिक्षा विभाग	राजस्थान सरकार, शासन सचिवालय, जयपुर
10	रिक्त	सदस्य	आयुक्त, कॉलेज शिक्षा	शिक्षा संकुल, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर
11	डॉ. संध्या जैन	सदस्य	संयोजक - वनस्पतिशास्त्र	राजकीय डूंगर महाविद्यालय, बीकानेर
12	डॉ. आर.एस. वर्मा	सदस्य	संयोजक - रसायनशास्त्र	राजकीय डूंगर महाविद्यालय, बीकानेर

13	श्रीमती ज्योति लखाणी	सदस्य	संयोजक - कम्प्यूटर विज्ञान	महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर
14	प्रो. अनिल कुमार छंगाणी	सदस्य	संयोजक -पर्यावरण विज्ञान	महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर
15	डॉ. सतीश कौशिक	सदस्य	संयोजक- भूगर्भ विज्ञान	राजकीय डूंगर महाविद्यालय, बीकानेर
16	डॉ. रंजन सक्सेना	सदस्य	संयोजक- गणित	राजकीय महारानी सुदर्शन कन्या महाविद्यालय बीकानेर (राज.)
17	डॉ. गौतम कुमार मेघवंशी	सदस्य	संयोजक-सूक्ष्म जीव विज्ञान	महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर
18	डॉ. रविन्द्र मंगल	सदस्य	संयोजक-भौतिक विज्ञान	राजकीय डूंगर महाविद्यालय, बीकानेर
19	डॉ. मीरा श्रीवास्तव	सदस्य	संयोजक-प्राणीशास्त्र	राजकीय डूंगर महाविद्यालय, बीकानेर
20	डॉ. उषा कंवर	सदस्य	संयोजक- अंग्रेजी	राजकीय डूंगर महाविद्यालय, बीकानेर
21	डॉ. शालिनी मूलचंदानी	सदस्य	संयोजक-हिन्दी	राजकीय डूंगर महाविद्यालय, बीकानेर
22	डॉ. नन्दिता सिंघवी	सदस्य	संयोजक- संस्कृत	राजकीय डूंगर महाविद्यालय, बीकानेर
23	डॉ. सुमित्रा चारण	सदस्य	संयोजक-दर्शनशास्त्र	राजकीय डूंगर महाविद्यालय, बीकानेर
24	डॉ. कमलेश तायल	सदस्य	संयोजक - राजनीति विज्ञान	राजकीय बी.आर.जी. महाविद्यालय, श्रीगंगागनर (राज.)
25	डॉ. आर.सी. श्रीवास्तव	सदस्य	संयोजक - भूगोल	राजकीय बी.आर.ए. पी.जी. महाविद्यालय, श्रीगंगानगर (राज.)
26	डॉ. बी.एस. रतन	सदस्य	संयोजक-अर्थशास्त्र	राजकीय बी.आर.ए. पी.जी. महाविद्यालय, श्रीगंगानगर (राज.)
27	डॉ. अभिलाषा आल्हा	सदस्य	संयोजक- गृह विज्ञान	राजकीय महारानी सुदर्शन कन्या महाविद्यालय बीकानेर (राज.)
28	डॉ. इन्द्रसिंह राजपुरोहित	सदस्य	संयोजक- चित्रकला	राजकीय डूंगर महाविद्यालय, बीकानेर

29	डॉ. श्याम सुन्दर ज्याणी	सदस्य	संयोजक-समाजशास्त्र	राजकीय डूंगर महाविद्यालय, बीकानेर
30	डॉ. साधना भण्डारी	सदस्य	संयोजक-लोक प्रशासन	राजकीय डूंगर महाविद्यालय, बीकानेर
31	डॉ. पुष्पा चौहान	सदस्य	संयोजक-इतिहास	राजकीय महारानी सुदर्शन कन्या महाविद्यालय बीकानेर
32	डॉ. डी.एस. पूनियां	सदस्य	संयोजक-एबीएसटी	राजकीय लोहिया महाविद्यालय, चूरू
33	डॉ. पंकज जैन	सदस्य	संयोजक-व्यवसायिक प्रशासन	बी.जे.एस.आर. जैन महाविद्यालय, बीकानेर (राज.)
34	डॉ. मदन सिंह पूनिया	सदस्य	संयोजक-ई.ए.एफ.एम.	राजकीय बी.आर.ए. महाविद्यालय,श्रीगंगानगर।
35	डॉ. भगवाना राम विश्नोई	सदस्य	संयोजक - विधि	राजकीय विधि महाविद्यालय, बीकानेर
36	डॉ. कविता चौधरी	सदस्य	संयोजक - शिक्षा	जी.एल. बिहाणी सह शिक्षा महाविद्यालय, श्रीगंगानगर
37	डॉ. यशवंत गहलोत	सदस्य	संयोजक-शारीरिक शिक्षा	शारीरिक शिक्षा, महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर
38	डॉ. श्रवण सैनी	सदस्य	राज्य सरकार द्वारा मनोनीत सदस्य प्राचार्य-राजकीय महा.	राजकीय विधि महाविद्यालय, चूरू
39	डॉ. बी.एल. विश्नोई	सदस्य	राज्य सरकार द्वारा मनोनीत सदस्य प्राचार्य-निजी महा.	ज्ञान विधि महाविद्यालय, बीकानेर
40	प्रो. हेरंब चतुर्वेदी	सदस्य	माननीय कुलाधिपति महोदय द्वारा मनोनीत सदस्य	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज (उ.प्र.)
41	डॉ. अभिषेक वशिष्ठ	सदस्य	कुलपति महोदय द्वारा मनोनीत शिक्षक	सूक्ष्म जीव विज्ञान, महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर
42	डॉ. एच.आर. नियाजी	सदस्य	राज्य सरकार द्वारा मनोनीत सदस्य	मीर जी का बाग, संसार चन्द्र रोड़, जयपुर
43	डॉ. निधि अग्रवाल	सदस्य	राज्य सरकार द्वारा मनोनीत सदस्य	राजकीय महारानी सुदर्शन कन्या महाविद्यालय बीकानेर (राज.)
44	श्री भंवर सिंह चारण	सदस्य सचिव	कुलसचिव	महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर

अधिकारी

क्र.स.	नाम	पद
1.	प्रो. भगीरथ सिंह	कुलपति
2.	रिक्त	कुलसचिव
3.	श्री भंवर सिंह चारण	वित्त नियंत्रक
4.	श्री कुलदीप जैन	सम्पदा अधिकारी
5.	डॉ. अभिषेक वशिष्ठ	अधिष्ठाता-छात्र कल्याण

स्नातकोत्तर शैक्षणिक विभाग

क्र.स.	विभाग	नाम	पद
1.	**अंग्रेजी**	**प्रो. सुरेश कुमार अग्रवाल**	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष
2.		रिक्त	सह आचार्य
3.		रिक्त	सह आचार्य
4.		डॉ. सीमा शर्मा	सहायक आचार्य
5.		डॉ. प्रगति सोबती	सहायक आचार्य
6.		श्रीमती संतोष कंवर शेखावत	सहायक आचार्य
7.	**पर्यावरण विज्ञान**	रिक्त	आचार्य
8.		प्रो. अनिल कुमार छंगाणी	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष
9.		प्रो. राजाराम चोयल	आचार्य
10.		डॉ. अनिल कुमार दुलार	सहायक आचार्य
11.		डॉ. प्रभुदान चारण	सहायक आचार्य
12.		डॉ. लीला कौर	सहायक आचार्य
13.	**सूक्ष्म जीव विज्ञान**	रिक्त	आचार्य
14.		रिक्त	सह-आचार्य
15.		रिक्त	सह-आचार्य
16.		डॉ. गौतम मेघवंशी	सहायक आचार्य एवं विभागाध्यक्ष
17.		डॉ. धर्मेश हरवानी	सहायक आचार्य
18.		डॉ. अभिषेक वशिष्ठ	सहायक आचार्य
19.	**कम्प्यूटर विज्ञान**	रिक्त	आचार्य
20.		रिक्त	सह-आचार्य
21.		रिक्त	सह-आचार्य
22.		श्रीमती ज्योति लखाणी	सहायक आचार्य एवं विभागाध्यक्ष
23.		श्री फौजा सिंह	सहायक आचार्य
24.		श्री अमरेश कुमार सिंह	सहायक आचार्य
25.	**इतिहास**	रिक्त	आचार्य
26.		प्रो. नारायण सिंह राव	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष
27.		रिक्त	सह-आचार्य
28		डॉ. अम्बिका ढाका	सहायक आचार्य
29.		डॉ. मेघना शर्मा	सहायक आचार्य
30.		रिक्त	सहायक आचार्य
31	**विधि**	रिक्त	आचार्य
32		रिक्त	सहायक आचार्य- 10 पद

विश्वविद्यालय स्वीकृत, कार्यरत एवं रिक्त पदों की पदवार स्थिति

1. प्रशासनिक पद

पद का नाम	नॉन प्लान स्वीकृत पद	विश्वविद्यालय स्वयं की आय से स्वीकृत पद	कुल स्वीकृत पद	भरे हुए पदों की संख्या	रिक्त पदों की संख्या
कुलपति	1	0	1	1	0
कुलसचिव	1	0	1	0	1
वित्त नियंत्रक	1	0	1	1	0
कुल	**3**	**0**	**3**	**2**	**1**

2. शैक्षणिक पद

विभाग एवं पद का नाम		नॉन प्लान स्वीकृत पद	विश्वविद्यालय स्वयं की आय से स्वीकृत पद	कुल स्वीकृत पद	भरे हुए पदों की संख्या	रिक्त पदों की संख्या
इतिहास	आचार्य	1	0	1	0	1
	सह आचार्य	0	2	2	1	1
	सहायक आचार्य	1	2	3	2	1
अंग्रेजी	आचार्य	1	0	1	1	0
	सह आचार्य	0	2	2	0	2
	सहायक आचार्य	1	2	3	3	0
सूक्ष्मजीव विज्ञान	आचार्य	1	0	1	0	1
	सह आचार्य	0	2	2	0	2
	सहायक आचार्य	1	2	3	3	0
पर्यावरण विज्ञान	आचार्य	1	0	1	0	1
	सह आचार्य	0	2	2	2	0
	सहायक आचार्य	1	2	3	3	0
कम्प्यूटर विज्ञान	आचार्य	1	0	1	0	1
	सह आचार्य	0	2	2	0	2
	सहायक आचार्य	1	2	3	3	0
विधि	आचार्य	0	1	1	0	1
	सहायक आचार्य	0	10	10	0	11
कुल		**10**	**31**	**41**	**18**	**23**

3. अशैक्षणिक पद

पद का नाम	स्वीकृत पद	कार्यरत पद	रिक्त पद
निदेशक शोध	1	0	1
परीक्षा नियंत्रक	1	0	1
अतिरिक्त कुलसचिव	1	0	1
उप कुलसचिव	4	2	2
एनालिस्ट कम प्रोग्रामर	1	0	1
सहायक कुलसचिव	6	4	2
अधिष्ठाता छात्र कल्याण	1	0	1
पुस्तकालयाध्यक्ष	1	1	0
सहायक निदेशक (शारीरिक शिक्षा)	1	1	0
सम्पदा अधिकारी	1	1	0
प्रोग्रामर	2	0	2
जन सम्पर्क अधिकारी	1	0	1
निजी सचिव-कुलपति	1	1	0
लेखाधिकारी (राज्य सरकार द्वारा पदस्थापन)	1	0	1
अनुभाग अधिकारी	16	4	12
वरिष्ठ निजी सहायक	2	2	0
निजी सहायक	4	1	3
स्टेनो ग्रेड-द्वितीय	5	0	5
विधि रचनाकार	1	0	1
वरिष्ठ तकनीकी सहायक (पुस्तकालय)	1	0	1
कम्प्यूटर ऑपरेटर	2	2	0
सूचना सहायक/डाटा एण्ट्री ऑपरेटर	3	0	3
मैनेजर गेस्ट हाउस	1	1	0
सहायक लेखाधिकारी-1 (राज्य सरका र द्वारा पदस्थापन)	1	1	0
सहायक लेखाधिकारी-2 (राज्य सरकार द्वारा पदस्थापन)	1	0	1
कनिष्ठ लेखाकार (राज्य सरकार द्वारा पदस्थापन)	4	4	0
कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल)	1	0	1
कार्यालय सहायक	15	6	9
वरिष्ठ लिपिक	29	21	8
प्रयोगशाला सहायक	4	3	1
तकनीकी सहायक	6	6	0
कनिष्ठ लिपिक	43	35	8
इलैक्ट्रीशियन	1	0	1
प्लम्बर	1	0	1
ड्राईवर	6	4	2
बुक/रिकार्ड लिफ्टर	2	0	2
चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	25	0	25
लेब बॉय	4	0	4
योग	**204**	**102**	**102**

वित्तीय स्थिति

आय एवं व्यय विवरण – 2019–20 (बजट)

आय		राशि लाखों में
क्र.स.	अनुदान प्राप्ति के स्रोत	2019-20 अनुमानित
क	राज्य सरकार से	
	1. प्लान	0.00
	2. नॉन प्लान	0.00
	योग क (1+2)	**0.00**
ख	विश्वविद्यालय की स्वयं की आय से	8018.39
	योग (क+ख)	**8018.39**
(परीक्षा, सम्बद्धता, खेलकूद, प्रवेश शुल्क एवं बैंक में जमा राशि के ब्याज से विश्वविद्यालय की आय)		
व्यय		**राशि लाखों में**
क्र.स.	खर्चों का मद	2019.20 अनुमानित
क	राज्य सरकार से प्राप्त अनुदान से व्यय	
	1. प्लान	14.60
	2. नॉन प्लान	0.02
	योग क (1+2)	**14.62**
ख	विश्वविद्यालय की आय से व्यय	9741.50
	योग (क+ख)	**9756.12**
नोट : वर्ष 2019-20 के आय-व्यय के संशोधित अनुमान की गणना मार्च, 2020 में की जाएगी। इसी प्रकार वर्ष 2019-20 का आय-व्यय अनुमान की रूप रेखा भी आगामी वित्तीय वर्ष 2020-21 के बजट के साथ प्रबन्ध मण्डल के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी।		

- ❖ विश्वविद्यालय के वित्तीय वर्ष 2003-04 से वित्तीय वर्ष 2018-19 तक के लेखों का महालेखा परीक्षा द्वारा ऑडिट किया जा चुका है।
- ❖ गत वर्षो में राज्य सरकार से प्लान मद में प्राप्त अनुदान राशि में से शेष राशि 14.60 लाख का व्यय कुलपति निवास के शेष रहे दायित्व पर किये जाने के लिए व्यय मद में दर्शाया गया है।

विश्वविद्यालय के विभागों के विद्यार्थियों के नामांकन

महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर द्वारा पांच विभाग एवं स्ववित्तपोषी योजनान्तर्गत विधि कक्षाएँ संचालित की जा रही हैं। सत्र 2014-15 से विश्वविद्यालय विभागों में सेमेस्टर प्रणाली लागू है। वर्ष 2019-20 में विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों में नामांकित छात्र/छात्राओं की संख्या निम्नानुसार है :

विभागों में विद्यार्थियों की संख्या

क्र.स.	विभाग	सेमेस्टर -प्रथम	सेमेस्टर-तृतीय	एम.फिल.	कुल
1	**कम्प्यूटर विज्ञान**	40	**20**	**0**	**60**
2	**सूक्ष्म जीव विज्ञान**	32	**24**	**0**	**56**
3	**पर्यावरण विज्ञान**	25	**19**	**0**	**44**
4	**इतिहास**	54	**34**	**0**	**88**
5	**अंग्रेजी**	19	**14**	**0**	**33**
	योग	170	**111**		**281**

विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2017–18 से विभागों के अन्तर्गत संचालित नवीन पाठ्यक्रम

क्र.स.	विभाग	विभाग के अन्तर्गत संचालित नवीन पाठ्यक्रम	छात्रों की संख्या
1	कम्प्यूटर विज्ञान	एम.एससी. साईबर सिक्योरिटी	29
2		पी.जी.डी.सी.ए.	29
3		एम.एससी. लेट्रल एन्ट्री	10
4	अंग्रेजी	पी.जी. डिप्लोमा इन ट्रान्सलेशन	5
5	पर्यावरण विज्ञान	पी.जी. डिप्लोमा इन जोइन्फोमेटिक्स एण्ड रिमोट सेन्सिंग	11
6	इतिहास	बी.ए. ऑनर्स (इतिहास) प्रथम वर्ष	160
7		बी.ए. ऑनर्स (इतिहास) द्वितीय वर्ष	98
8		बी.ए. ऑनर्स (इतिहास) तृतीय वर्ष	89
9		एम.ए. आर्कियोलोजी	46
10		एम.ए. वंशावली	39

स्कूल ऑफ लॉ में प्रवेशित विद्यार्थियों की संख्या

क्र.स.	पाठ्यक्रम	संख्या
1	पी.जी. डिप्लोमा इन लीगल एण्ड फोरेन्सिक सांइस	36
2	एल एल.एम. पार्ट प्रथम	72
3	एल एल.एम. पार्ट द्वितीय	40
4	विधि स्नातक प्रथम वर्ष	60
5	विधि पांच वर्षीय इन्टीग्रेटेड	40

उद्यमिता एवं कौशल विकास केन्द्र के अन्तर्गत संचालित पाठ्यक्रमों में प्रवेशित विद्यार्थियों की संख्या

क्र.स.	पाठ्यक्रम	संख्या
1	डिप्लोमा कोर्स ऑफ योगा एवं प्राकृतिक चिकित्सा	20
2	बी.एससी. इन योगिक विज्ञान	18
3	एम.एससी. इन योगिक विज्ञान	62

स्ववित्तपोषी योजनान्तर्गत संचालित पाठ्यक्रमों में प्रवेशित विद्यार्थियों की संख्या

क्र. स.	पाठ्यक्रम	संख्या
1	राजस्थानी	50
2	एम.ए. भूगोल	12
3	बी.ए./बी.एससी. ऑनर्स भूगोल	67
4	लाईब्रेरी एण्ड इन्फोरमेंशन साइंस	17

वित्तीय प्रबन्ध :

विश्वविद्यालय को मुख्यतः परीक्षा शुल्क, सम्बद्धता शुल्क एवं विश्वविद्यालय की जमा राशि पर ब्याज से आय प्राप्त होती है। वर्ष 2019-20 में निम्नलिखित मदों में आय का प्रावधान रखा गया है :-

क्र.स.	मद	प्रावधान राशि अनुमानित (लाखों में)
1	परीक्षा शुल्क एवं नामांकन	4800.00
2	सम्बद्धता एवं निरीक्षण शुल्क	900.00
3	पुनर्मूल्याकंन शुल्क	330.00
4	विभिन्न प्रपत्र	21.00
5	पीएच.डी. पंजीयन शुल्क	13.00
6	उपयोग उत्तरपुस्तिका एवं रद्दी की नीलामी	45.00
7	विविध प्राप्तियाँ	35.00
8	एफ.डी. पर ब्याज	1800.00
9	गेस्ट हाउस एवं बैंक का किराया	7.00
10	विश्वविद्यालय वाहनों से प्राप्ति	4.00
11	शास्ति	0.00
12	खेलकूद शुल्क	18.00
13	प्रवेश शुल्क	45.00
14	रॉयल्टी से प्राप्ति	0.39
कुल आय		**8018.39**

विश्वविद्यालय कोष में उपलब्ध राशि को राष्ट्रीयकृत बैंक (पंजाब नेशनल बैंक) में सावधी जमा करा रखी है। उक्त सावधी जमा राशि से प्राप्त ब्याज राशि से दैनिक खर्चों एवं संस्थागत विकास के कार्यों में उपयोग में ली जाती है।

वित्तीय वर्ष 2019–20 की महत्त्वपूर्ण उपलब्धियाँ

विश्वविद्यालय परिसर विकास

- ❖ विश्वविद्यालय द्वारा बीकानेर क्षेत्र को दी गई महत्वपूर्ण सौगात :- दिनांक 21 जनवरी, 2019 को 41.36 करोड़ की लागत से ''ऑडिटोरियम एवं इण्डोर स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स'' का शिलान्यास माननीय राज्यपाल, राजस्थान एवं कुलाधिपति महोदय ने राजभवन, जयपुर में किया। इस अवसर पर डॉ. बी.डी. कल्ला, माननीय जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं ऊर्जा मंत्री, राजस्थान सरकार, श्रीमान् भंवर सिंह जी भाटी, माननीय उच्च शिक्षा, राज्य मंत्री, राजस्थान सरकार उपस्थित रहे।
- ❖ विश्वविद्यालय परिसर में राष्ट्रीय स्तर का ''इण्डोर स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स'' में बॉस्केटबॉल, वालीबॉल, बैंडमिन्टन, जुडो, कुश्ती, जिम्नास्टिक्स, टेबल टेनिस, योगा एवं एरोबिक्स, शूटिंग आदि अन्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी।
- ❖ विश्वविद्यालय में 1200 क्षमता का ''राष्ट्र स्तरीय ऑडिटोरियम'' निर्मित हो रहा है जिसमें राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के अकादमिक तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं संगोष्ठियों का आयोजन किया जा सकेगा।
- ❖ विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार का पुनर्निर्माण करवाया जा रहा है जो कला कृति के क्षेत्र में विख्यात द्वार होगा।
- ❖ विश्वविद्यालय में ''विद्यार्थी सेवा केन्द्र'' का निर्माण करवाया जा रहा है जिसमें छात्र-छात्राओं के लिए पृथक्-पृथक् आवश्यक सुविधाएँ, फोटो स्टेट, इन्टरनेट, स्टेशनरी इत्यादि सुविधाएँ उपलब्ध होंगी।
- ❖ 12 करोड़ की लागत से ''आधुनिक तकनीकी युक्त शैक्षणिक भवन'' निर्माणाधीन है।
- ❖ विश्वविद्यालय परिसर में वर्षा के जल संग्रहण हेतु 14 लाख लीटर क्षमता टैंको का निर्माण करवाया गया है।
- ❖ विश्वविद्यालय परिसर में 55.00 लाख की लागत से 250 सोलर रोड़ लाईट स्थापित करवाई गई।
- ❖ ''100 किलो वॉट का ग्रीन सोलर कॉरिडोर'' से प्रतिमाह 12,000 किलो वॉट विद्युत उत्पादन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय में वर्तमान में 125 किलो वॉट का उपयोग की स्वीकृति है।
- ❖ विश्वविद्यालय परिसर में ''स्टॉफ क्वाटर'' का निर्माण करवाया गया।
- ❖ परिसर में चार दीवारी के साथ-साथ चारों तरफ जी.एस.बी. रोड का निर्माण करवाया गया।
- ❖ परिसर के मुख्य द्वार से कुलपति सचिवालय एवं परीक्षा भवन तक रोड़ के दोनों तरफ इन्टरलॉकिंग ब्लॉक्स लगाकर पैदल रास्ते का निर्माण करवाया गया।
- ❖ विश्वविद्यालय के विभिन्न भवनों का नामकरण ''सप्त ऋषियों'' के नाम से तथा विश्वविद्यालय के आन्तरिक रोड़ (मार्गों) का नाम पवित्र नदियों के नाम से किये गए हैं।
- ❖ विश्वविद्यालय परिसर में 100 फीट ऊँचाई पर राष्ट्रीय ध्वज लगाया गया।
- ❖ विश्व पर्यावरण दिवस'' के अवसर पर पेड़ों को गोद लेकर उनसे संवाद स्थापित करने एवं पेड़ को प्राणी का दर्जा प्रदान करने का संदेश प्रदान किया गया तथा ''विश्वविद्यालय परिसर को प्लास्टिक मुक्त'' घोषित किया गया।
- ❖ विश्वविद्यालय परिसर में ''आक्सीजन जोन, इको पार्क, रिसर्च पार्क, आई.टी.पार्क, संस्कृति पार्क, स्मृति पार्क एवं संविधान पार्क '' को विकसित किये जा रहे हैं।
- ❖ विश्वविद्यालय परिसर में ''रम्मत ओपन थियेटर'' का निर्माण करवाया गया जिसके चारों ओर सुन्दर लाईटिंग लगवाई गई।
- ❖ विश्वविद्यालय परिसर में 09 ग्रह, 12 राशियों एवं 27 नक्षत्रों के अनुसार पौधे लगाये गए। विश्वविद्यालय परिसर को हरा-भरा बनाने हेतु अब तक 16000 नवीन पौधे लगाये गए हैं।

विश्वविद्यालय परिसर में निर्माण कार्य

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
इण्डोर स्टेडियम एवं ऑडिटोरियम का निर्माण कार्य	41.36 करोड़
अकादमिक भवनों का निर्माण कार्य	12.00 करोड़
अकादमिक भवन प्रथम का विस्तार निर्माण कार्य	23.90 लाख
प्रशासनिक भवन में प्रथम मंजिल का निर्माण कार्य	115.00 लाख
परिसर में सड़कों के किनारों पर इन्टरलॉकिंग ब्लॉक्स लगाने का कार्य	55.36 लाख
प्रशासनिक भवन के सामने विकास निर्माण कार्य	38.25 लाख
परिसर के विभिन्न मैदानों में चारदीवारी निर्माण कार्य	91.26 लाख
मुख्य द्वार का नवीनकरण निर्माण कार्य	55.00 लाख
परिसर में पार्किंग स्थल का निर्माण	150.00 लाख
विद्यार्थी सेवा केन्द्र का निर्माण	45.00 लाख
परिसर में शैक्षणिक भवनों में जाने के लिए प्रवेश द्वार का निर्माण	18.00 लाख
परिसर में निर्मित ऑक्सीजन जोन के दीवार निर्माण कार्य	19.68 लाख
परिसर में सौन्द्रर्यकरण निर्माण कार्य	5.64 लाख
परीक्षा भवन में सेलर का विस्तार निर्माण कार्य	32.86 लाख
परिसर के पश्चिमी भाग में दीवार निर्माण कार्य	21.55 लाख
मुख्य द्वार पर पत्थर लगवाने का कार्य	38.30 लाख
परिसर के विभिन्न रोड के डामरीकरण का विस्तार कार्य	133.29 लाख
परिसर के उद्यानों में विकास कार्य	48.90 लाख
स्टॉफ क्वाटर्स का निर्माण	150.00 लाख
उद्यान विकास	50.00 लाख
''ग्रीन सोलर कॉर्डिनोर'' का निर्माण	60.00 लाख
परिसर में 14 लाख लीटर क्षमता के वर्षा जल संग्रहण हेतु टैंक निर्माण	24.70 लाख
विश्वविद्यालय परिसर में निर्मित सभी भवनों की मरम्मत एवं रखरखाव का कार्य	10.00 लाख
सी.सी. रोड़ का निर्माण कार्य	100.00 लाख
विश्वविद्यालय परिसर में निर्मित चारदीवारी के साथ जी.एस.बी. रोड का निर्माण कार्य	35.96 लाख
विश्वविद्यालय परिसर में मुख्य प्रवेश से कुलपति सचिवालय भवन एवं परीक्षा भवन तक की सड़कों के किनारों पर इन्टरलॉकिंग ब्लॉक्स लगाने का कार्य	99.00 लाख
विश्वविद्यालय की चारदीवारी का निर्माण एवं मुख्य द्वार के दोनों तरफ सामने की चारदीवारी के उन्नयन का कार्य	64.00 लाख
विश्वविद्यालय में स्थित विवेकानन्द स्मारक में फुटपाथ का निर्माण कार्य	8.75 लाख
विश्वविद्यालय परिसर में डामर सड़कों का निर्माण कार्य	72.12 लाख
विश्वविद्यालय परिसर में स्थित विभिन्न भवनों के सामने स्थित पार्कों का विकास के कार्य	75.00 लाख
विश्वविद्यालय परिसर में प्रशासनिक भवन के सामने के मैदान में स्थित स्टेज के उन्नयन के कार्य	15.00 लाख
Providing and fixing the Ornamental stone Items at MGSU, Bikaner	16.00 लाख
विश्वविद्यालय परिसर में आंतरिक सड़कों के नामकरण हेतु दुलमेरा स्टोन की शिलापट्ट लगाने का कार्य	03.00 लाख
परिसर के पीछे की दीवार का निर्माण कार्य	39.79 लाख

विश्वविद्यालय परिसर में निर्मित भवनों का विवरण

प्रशासनिक भवन	2200 वर्ग मीटर
कुलपति सचिवालय	897 वर्ग मीटर
परीक्षा भवन	1632 वर्ग मीटर
अतिथि गृह	1384.90 वर्ग मीटर
पुस्तकालय भवन	2424 वर्ग मीटर
अकादमिक भवन	1948.65 वर्ग मीटर
बैंक भवन	187.37 वर्ग मीटर
अकादमिक भवन	2223.80 वर्ग मीटर
गोपनीय भवन	1640.02 वर्ग मीटर
केन्टीन	367.41 वर्ग मीटर
खेल प्रशासनिक भवन	160 वर्ग मीटर
छात्रावास भवन	1203.26 वर्ग मीटर
छात्र कल्याण अधिष्ठाता भवन	171.60 वर्ग मीटर
शोध निदेशालय भवन	219.54 वर्ग मीटर
कुलपति निवास	525 वर्ग मीटर
कुलसचिव निवास	315 वर्ग मीटर
स्टॉफ क्वाटर (चार)	476.21 वर्ग मीटर

शैक्षणिक उन्नयन

- दिनांक 04 फरवरी, 2019 एवं 14 फरवरी, 2019 को अकादमिक सत्र 2019-20 के लिए तैयार कराये जा रहे पाठ्यक्रमों में मेधावी छात्रों, स्कूल शिक्षकों एवं महाविद्यालय शिक्षकों एवं विश्वविद्यालय अध्ययन मण्डल सदस्यों के सुझावों को सम्मिलित करने संकायवार बैठकों का आयोजन किया गया।
- विश्वविद्यालय द्वारा इन्टीग्रेटेड पाठ्यक्रम (एक साथ तीन वर्ष के लिए) तैयार करवाया गया। साथ ही परीक्षा प्रश्न पत्रों में अति-लघुरात्मक, लघुरात्मक एवं निबन्धात्मक प्रश्नों में अंकों का विभाजन कर छात्र को पूरा पाठ्यक्रम अध्ययन करने एवं विवेक का उपयोग करते प्रश्नों का उत्तर देने आदि विशेषताओं को सम्मिलित किया गया है।
- वर्तमान आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए प्रतियोगी परीक्षाओं को दृष्टिगत रखते हुए ''समाज की मांग के अनुरूप'' प्रबुद्ध नागरिकों से चर्चा कर पाठ्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है जिससे रोजगार के अवसर प्राप्त हो सके।
- विश्वविद्यालय स्तर पर सेमेस्टर पाठ्यक्रमों में ग्रेडिंग प्रणाली लागू की गई, जिसकी मूल अवधारणा मूल्याकंन की कमियों को दूर कर विद्यार्थियों का मूल्याकंन स्तर सुधारना है।
- महाविद्यालयों में शैक्षणिक एवं शोध गुणवत्ता, आधारभूत संरचना एवं परिसर की स्वच्छता आदि बिन्दुओं के आधार पर नेक की तर्ज पर महाविद्यालयों को ग्रेडिंग प्रदान करने के प्रावधान किये गए हैं।
- विश्वविद्यालय द्वारा इन्टीग्रेटेड पाठ्यक्रम (एक साथ तीन/दो वर्ष) के लिए तैयार करवाये गए हैं।
- महाविद्यालयों की समस्याओं के निराकरण हेतु विश्वविद्यालय द्वारा '' विश्वविद्यालय महाविद्यालयों की ओर'' कार्यक्रम का आयोजन कर जिला स्तर पर प्राचार्यों एवं प्रबन्धकों के साथ पृथक् - पृथक् रूप से संवाद स्थापित किया गया।
- महाविद्यालयों की प्रशासनिक, शैक्षणिक एवं वित्तीय ऑडिट कराने का प्रावधान किया गया।
- विश्वविद्यालय परिसर में Finishing School प्रारम्भ की गई, जिसमें कैरियर काउन्सलिंग, व्यक्तित्व विकास, भाषा विकास एवं उद्यमिता योजनाओं आदि माध्यम से विद्यार्थियों का ''व्यक्तित्व विकास'' हो सकेगा।
- **पांच वर्षीय बी.ए. एल एल. बी. इन्टीग्रेटेड पाठ्यक्रम प्रारम्भ :** बार काउन्सिंल ऑफ इण्डिया की अनुमति से महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर में पांच वर्षीय बी.ए. एल एल.बी. इन्टीग्रेटेड पाठ्यक्रम प्रारम्भ किया गया है । यह पाठ्यक्रम संचालित करने वाला संभाग का एकमात्र संस्थान है। साथ ही त्रिवर्षीय विधि स्नातक पाठ्यक्रम भी पुनः प्रारम्भ किया गया है।
- **'संस्था के नाम से शहर की पहचान हो' :-** 'विश्वविद्यालय महाविद्यालयों की ओर' अभियान के अन्तर्गत दिनांक 14 अक्टूबर, 2019 को श्रीगंगानगर जिले में स्थापित महाविद्यालयों के प्रबन्धकों के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। संवाद कार्यक्रम में कुलपति प्रो. भगीरथ सिंह जी ने प्रबन्धकों से आह्वान किया कि ''संस्थान की इस प्रकार पहचान बनाई जावे कि शहर को संस्था के नाम से जाना जावे तथा संस्था में प्रवेश के लिए छात्र आतुर रहे'' ।
- **''संकल्प से सिद्धि की ओर'''-** विश्वविद्यालय महाविद्यालयों की ओर अभियान के अन्तर्गत दिनांक 15 अक्टूबर, 2019 को हनुमानगढ़ जिले में स्थापित महाविद्यालयों के प्रबन्धकों के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। संवाद कार्यक्रम में कुलपति प्रो. भगीरथ सिंह जी ने प्रबन्धकों से आह्वान किया कि ''संस्था के विकास के लिए संकल्प लेते हुए सिद्धि की ओर अग्रसर हो तथा विद्यार्थी हित को सर्वोपरी मानते हुए संस्थान कार्य करे।
- **''महाविद्यालयों का बनेगा डाटा कार्ड'':-** विश्वविद्यालय महाविद्यालयों की ओर अभियान के अन्तर्गत दिनांक 16 अक्टूबर, 2019 को चूरू जिले में स्थापित महाविद्यालयों के प्रबन्धकों के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। संवाद कार्यक्रम में कुलपति प्रो. भगीरथ सिंह जी ने प्रबन्धकों से आह्वान किया कि ''संस्था को सक्षम बनाये ताकि समृद्ध विश्वविद्यालय बन सके'' । कुलपति महोदय ने विश्वविद्यालय से सम्बद्धता प्राप्त समस्त महाविद्यालयों को स्मार्ट डाटा कार्ड बनाने की घोषण की जिसमें महाविद्यालय के भूमि-भवन के दस्तावेज, महाविद्यालय में पदस्थापित शिक्षक एवं कार्मिकों का विवरण मय योग्यता व अनुभव, पुस्तकालय, खेल मैदान, अक्षय निधि आदि का विवरण अपलोड/भरवाया जा रहा है।

- **सब्जेक्ट एक्सपर्ट्स डाटा बैंक :-** कुलपति समन्वय समिति की बैठक में माननीय कुलाधिपति एवं राज्यपाल महोदय ने स्मार्ट यूनिवर्सिटी बनाने के निर्देश प्रदान किये थे। इसी क्रम में स्मार्ट यूनिवर्सिटी की ओर कदम बढ़ाते हुए विश्वविद्यालय द्वारा सब्जेक्ट एक्सपर्ट्स डाटा बैंक पोर्टल बनाया गया है जिसका शुभारम्भ दिनांक 15 नवम्बर, 2019 को विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. भगीरथ सिंह द्वारा किया गया।
- इस पोर्टल के माध्यम से देश के विख्यात शिक्षाविद् एवं शोध विशेषज्ञों का विश्वविद्यालय में पंजीयन करके उनकी योग्यता एवं अनुभव के आधार पर प्रश्न पत्र निर्माण कराने, प्रायोगिक परीक्षा के लिए परीक्षक नियुक्त करने, परीक्षा केन्द्रों पर वीक्षण कार्य कराने, उत्तरपुस्तिकाओं की जांच कराने, महाविद्यालयों का निरीक्षण कराने, सम्बद्धता प्राप्त महाविद्यालयों को योग्य एवं अनुभवी शिक्षक उपलब्ध कराने, शोध सारांश एवं शोध प्रबन्धन की जाँच कराने के लिए उनकी सेवाएं ली जा सकेंगी।

अनुसंधान में गुणवत्ता

- शोध में प्रवेश के लिए नेट/जे.आर.एफ. को प्राथमिकता प्रदान की जा रही है। इनकी उपलब्धता नहीं होने पर प्रवेश परीक्षा आयोजित कर पीएच.डी. में प्रवेश प्रदान किया जा रहा है।
- पीएच.डी. के बाद डॉक्टर ऑफ साइंस एवं डॉक्टर ऑफ लिटरेचर की उपाधि प्रारम्भ की गई है।
- विश्वविद्यालय विभागों के दो सर्वोत्तम पीएच.डी. शोधार्थियों को शोध प्रबन्ध जमा कराने अथवा अधिकतम तीन वर्ष की अवधि तक 2 हजार रूपये प्रतिमाह छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी।
- लघु शोध प्रोजेक्ट के लिए विश्वविद्यालय शिक्षकों को 2.00 लाख रूपये तक की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।
- विश्वविद्यालय में उच्च शिक्षा एवं शोध कार्य को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पीएच.डी. के पश्चात् Doctor of Science (D.Sc.) and Doctor of Literature (D. Lit.) की उपाधि कराने का प्रावधान किया गया।

परीक्षा केन्द्र एवं परीक्षा परिणाम

- सत्र 2019-20 (परीक्षा 2020) में लगभग 4.07 लाख विद्यार्थियों द्वारा परीक्षा आवेदन भरे गए हैं।
- विश्वविद्यालय में सीमित संसाधन, अत्यल्प संख्या में कार्यरत स्टॉफ, दूरस्थ रेगिस्तानी भू-भाग के लगभग 400 कि.मी. की दूरी तक स्थापित 152 परीक्षा केन्द्रों से उत्तरपुस्तिकाएं एकत्र कर उनका मूल्याकंन करवाने की कठिन चुनौती के बावजूद भी हमारा विश्वविद्यालय परीक्षा परिणाम जारी करने में अव्वल रहा । विश्वविद्यालय ने परीक्षा 2019 के अधिकांश परिणाम माह मई, 2019 में जारी कर दिये गए एवं अंतिम परिणाम 07 जून, 2019 को जारी कर राजस्थान के सभी विश्वविद्यालयों से बहुत पहले जारी किये गए।
- इस विश्वविद्यालय द्वारा सभी पुनर्मूल्याकंन परिणाम भी राजस्थान में सबसे पहले 31 जुलाई, 2019 तक घोषित किये गए हैं।
- उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्याकंन में पूर्ण पारदर्शिता एवं गोपनीयता बनाये रखने हेतु ''बार कोडिंग सिस्टम'' प्रणाली लागू की गई है जिसमें उत्तरपुस्तिकाओं से रोल नम्बर अंकित फ्लैप हटाकर काल्पनिक नम्बर अंकित करवाकर उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्याकंन करवाया गया। विश्वविद्यालय द्वारा नवीनतम तकनीकी का उपयोग करते हुए उत्तरपुस्तिका मूल्याकंन पश्चात् ऑनलाईन अंक भरने का प्रोग्राम विकसित किया गया। महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय इस तकनीक का उपयोग करने वाला प्रथम विश्वविद्यालय है।
- महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर राज्य का प्रथम विश्वविद्यालय है जिसने सत्र 2019-20 के प्रारम्भ में ही ''परीक्षा कैलेण्डर 2019-20'' जारी किया। परीक्षा कैलेण्डर में परीक्षा फार्म भराने, प्रायोगिक, मुख्य परीक्षा एवं पूरक परीक्षा का आयोजन, मुख्य परीक्षा, पुनर्मूल्याकंन एवं पूरक परीक्षा के परिणाम घोषित करना, दीक्षान्त समारोह आयोजन आदि समस्त कार्यों के लिए तिथि व अवधि निर्धारित की गई ताकि छात्रों को सत्रारम्भ में ही पूर्ण जानकारी प्राप्त हो सके।

दीक्षान्त समारोह

- दिनांक 07 अगस्त, 2019 को विश्वविद्यालय का ''चतुर्थ दीक्षान्त समारोह'' आयोजित हुआ। दीक्षान्त समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. भगीरथ सिंह ने की। दीक्षान्त समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमान् भंवर सिंह भाटी, माननीय उच्च शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), राजस्थान सरकार एवं दीक्षान्त उद्‌बोधन हेतु वरिष्ठ साहित्यकार प्रो. नन्दकिशोर आचार्य उपस्थित हुए।
- दीक्षान्त समारोह में परीक्षा वर्ष 2017 के 96172 परीक्षार्थियों को उपाधि, 01 कुलाधिपति पदक, 51 स्वर्ण पदक एवं 70 शोधार्थियों को उपाधि प्रदान की गई।
- भारतीय कम्पनी सचिव, संस्थान के सहयोग से विश्वविद्यालय स्नातक स्तर वाणिज्य में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाली छात्रा को ICSI Signature Award प्रदान किया गया।
- विद्यार्थियों को जीवन मूल्यों एवं कर्त्तव्य बोध कराने हेतु तैत्तिरीय उपनिषद् में वर्णित दीक्षान्त मंत्र के द्वारा सभी उपाधि एवं स्वर्ण पदक धारियों को माननीय अध्यक्ष प्रो. भगीरथ सिंह द्वारा दीक्षा दी गई।

विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किये गए पदक एवं उपाधियों का विवरण

उपाधि एवं पदकों का विवरण वर्षवार

वर्ष	उपाधियों की संख्या	पदकों की संख्या	विद्या वाचस्पति संख्या
2004	25401	32	-
2005	28223	38	-
2006	30437	38	-
2007	33353	39	20
2008	36991	40	56
2009	46253	45	75
2010	49713	45	128
2011	54038	46	114
2012	59576	49	118
2013	68778	48	128
2014	82706	48	65
2015	84132	42	67
2016	86950	41	81
2017	96172	51	70

परीक्षा 2018 हेतु प्रदान की जाने वाली 97806 उपाधियों में आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए नवीन सुरक्षा मानदण्डों यथा 200 GSM Paper, PTM and Non Tearable, 100% Water Proof, Fire Resistance, Water Marks Printing, Personal Data, Photograph and Hot foil Stamping को सम्मिलित किया गया है। परीक्षा 2018 की स्नातक, अधिस्नातक एवं प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों की अंतिम वर्ष की कक्षा में उत्तीर्ण विद्यार्थियों वितरित की जाने वाली उपाधि मुद्रित करवा ली गई है।

विश्वविद्यालय में संचालित विभाग, सेन्टर्स व पाठ्यक्रम

- सत्र 2011 से पाँच विभाग यथा इतिहास, अंग्रेजी, पर्यावरण विज्ञान, सूक्ष्म जीव विज्ञान एवं कम्प्यूटर विज्ञान संचालित हैं।
- 2018 में विधि विभाग की स्वीकृति प्राप्त हुई जिसमें सत्र 2019-20 से पांच वर्षीय बी.ए. एल एल.बी. इन्टीग्रेटेड पाठ्यक्रम (संभाग में एक मात्र संस्थान) एवं त्रिवर्षीय विधि स्नातक पाठ्यक्रम प्रारम्भ किया गया।
- 2017 से निम्नलिखित सेन्टर्स स्थापित किये गए जिनके संचालन हेतु प्रत्येक सेन्टर्स के लिए राशि रू. 2.00 करोड़ की संचित निधि का प्रावधान किया गया :-

1. पं. मदन मोहन मालवीय मूल्य शिक्षा केन्द्र
2. सेन्टर फॉर गाँधीयन स्टडीज - पीस एण्ड नॉन वॉईलेन्स
3. सेन्टर फॉर एन्टरप्रन्योरशिप एण्ड स्किल डवलपमेन्ट
4. सेन्टर फॉर थार डेजेर्ट स्टडीज
5. सेन्टर फॉर वूमन स्टडीज
6. डॉ. भीमराव अम्बेड़र सेन्टर फॉर मार्जिन्लाइज्ड स्टडीज
7. संग्रहालय एवं प्रलेखन केन्द्र

विद्यार्थी हितार्थ

- विद्यार्थियों के हितार्थ 50 लाख की संचित निधि का प्रावधान किया गया।
- परिसर में विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क ई-रिक्शा चलाया जा रहा है।
- विश्वविद्यालय द्वारा बी.पी.एल. परिवारों, मूक बधिर बच्चों, किन्नर समुदाय, शहीदों के आश्रितों, घुमन्तु (राज्य सरकार द्वारा अधिसूचित) समुदाय के विद्यार्थियों के साथ-साथ विभिन्न गतिविधियों में विशिष्ट उपलब्धि हासिल करने वाले छात्र-छात्राओं को विश्वविद्यालय परिसर में संचालित पाठ्यक्रमों में निःशुल्क शिक्षा एवं पुस्तकें दी जा रही है।
- विद्यार्थियों के लिए ''पढ़ाई के साथ कमाई (Earn while Learn)'' योजना प्रारम्भ की गई है।
- दिनांक 21 फरवरी, 2019 को राजस्थानी भाषा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भामाशाह प्रहलाद राय गोयनका के सहयोग से राजस्थानी पाठ्यक्रम में अध्यनरत छात्रों को 3000 रू. प्रति माह एवं राजस्थानी विषय में शोध करने वाले शोधार्थी को 5000/- रू. प्रतिमाह छात्रवृत्ति प्रदान करने हेतु ''छात्रवृत्ति वितरण समारोह'' आयोजित हुआ। इस अवसर पर डॉ. बी.डी. कल्ला, माननीय जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं ऊर्जा मंत्री, राजस्थान सरकार के माध्यम से छात्रवृत्ति प्रदान की गई।
- विश्वविद्यालय में ''विद्यार्थी सेवा केन्द्र'' का शिलान्यास श्रीमान् भंवर सिंह भाटी, माननीय उच्च शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), राजस्थान सरकार के कर-कमलों से दिनांक 07 जून, 2019 को किया गया। विद्यार्थी सेवा केन्द्र में बीकानेर के बाहर से आने वाले छात्र-छात्राओं के लिए पृथक्-पृथक् आवश्यक सुविधाएँ, फोटो स्टेट, इन्टरनेट, स्टेशनरी इत्यादि सुविधाएँ उपलब्ध होंगी।

खेलकूद

- ❖ महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर द्वारा 02 जनवरी, 2020 से लगातार तीसरे वर्ष अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालय साईक्लिंग रोड़ रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर ने उक्त प्रतियोगिता आयोजित करने की हैट्रिक बनाई । यह विश्वविद्यालय राजस्थान का प्रथम विश्वविद्यालय है जिसे अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता के आयोजन का जिम्मा मिला है।

- ❖ अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालय साईक्लिंग रोड़ रेस प्रतियोगिता में भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयों की 50 टीमों के लगभग 250 खिलाड़ियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर द्वारा 54 कि.मी. एवं 100 कि.मी. में स्वर्ण पदक प्राप्त करने पर चैम्पियन का खिताब हासिल किया गया।

- ❖ विश्वविद्यालय की स्थापना से अब तक अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालय खेल प्रतियोगिताओं में 145 पदक प्राप्त कर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। इस सत्र में अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालय बाक्सिंग महिला प्रतियोगिता में इस विश्वविद्यालय की खिलाड़ी ललिता ने स्वर्ण पदक के साथ प्रतियोगिता की बेस्ट बॉक्सर का खिताब भी प्राप्त किया। वर्तमान में ललिता भारतीय दल में मेरिकोम के साथ कैम्प प्रशिक्षण ले रही है। इसी प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय खिलाड़ी शीतल ने कॉस्य पदक प्राप्त कर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया।

- ❖ तैराकी महिला प्रतियोगिता में पहली बार विश्वविद्यालय की खिलाड़ी नरेती व्यास ने दो कांस्य पदक प्राप्त कर विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ाया है।

- ❖ इस विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों का अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के World University Games में चयन होने पर समस्त व्यय विश्वविद्यालय द्वारा वहन किया जाएगा। गत सत्र में विश्वविद्यालय के खिलाड़ी श्री प्रदीप कुमार का एथेलेटिक्स खेल में "World University Games-2019 में चयन होने पर समस्त खर्च राशि रू. 2,26,050/- का भुगतान विश्वविद्यालय की स्वयं की आय से किया गया है।

- ❖ विश्वविद्यालय में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी द्वारा प्रवेश लेने पर 5000/- रू. प्रतिमाह छात्रवृत्ति प्रदान की जा रही है जिसके तहत विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग में संचालित बी.ए. ऑनर्स के छात्र भागीरथ भादू को अखिल भारतीय स्तर पर स्वर्ण पदक प्राप्त करने पर उसे प्रति माह 5000/- रू. की छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी।

- ❖ अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिताओं में इस विश्वविद्यालय के स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ियों को राशि रू. 31,000/-, रजत पदक विजेता खिलाड़ियों को राशि रू. 21,000/- एवं कांस्य पदक विजेता टीम को राशि रू. 11,000/- पुरस्कार देने का निर्णय लिया गया।

- ❖ विश्वविद्यालय परिसर में ''इण्डोर स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स'' निर्माणाधीन है जिसमें बॉस्केटबॉल, वालीबॉल, बैंडमिन्टन, जुडों, कुश्ती, जिम्नास्टिक, टेबल टेनिस, योगा एवं एरोबिक्स, शूटिंग रेन्ज आदि खेलों के मैदान तैयार करवाये जा रहे हं।

  बीकानेर क्षेत्र के खिलाड़ियों की बहु-प्रतीक्षित मांग को पूरा करते हुए विश्वविद्यालय परिसर में लगभग 10 करोड़ की लागत से साईक्लि वैलोड्रम एवं 7 करोड़ की लागत से सिन्थेटिक एथलेटिक्स ट्रेक बनाने का निर्णय लिया जा चुका है।

विश्वविद्यालय द्धारा गोद लिये गए गांव

- ❖ दिनांक 09 मार्च,2019 को विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गए गांव ''नाल बड़ी'' में इतिहास विभाग द्वारा गांव में जाकर गांव की संस्कृति, इतिहास एवं वंशावली तैयार करने हेतु 168 घरों का सर्वेक्षण किया।

- ❖ दिनांक 28 मार्च, 2019 को अंग्रेजी विभाग द्वारा नाल बड़ी के ग्रामवासियों को बैंक खाते को सुरक्षित रखने, खाते से सम्बन्धित गोपनीय जानकारी शेयर नहीं करने, ऑनलाईन भुगतान करने की प्रक्रिया एवं चैक जारी करने आदि बिन्दुओं की जानकारी प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त गांव में स्थित विद्यालय में अध्ययनरत छात्रों को व्यवहार कुशलता की जानकारी प्रदान की गई तथा उन्हें विपरीत परिस्थितियों में धैर्य रखना एवं शान्ति से समस्या का समाधान करने के तरीकों से अवगत कराया गया।

- ❖ दिनांक 10 अप्रेल, 2019 को कम्प्यूटर विज्ञान विभाग द्वारा नाल बड़ी गांव के विद्यालय में अध्ययनरत छात्रों को कम्प्यूटर से सम्बन्धित प्रारम्भिक ज्ञान का प्रशिक्षण दिया गया। कम्प्यूटर का अनुप्रयोग दैनिक जीवन में किस प्रकार उपयोगी हो सकता है, इससे छात्रों को अवगत कराया गया।
- ❖ दिनांक 12 अप्रेल, 2019 को पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता का संदेश देने हेतु पर्यावरण विज्ञान विभाग द्वारा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, ठोस अपशिष्ट सहित विभिन्न समस्याओं से ग्रामवासियों को अवगत कराया।
- ❖ दिनांक 18 अप्रेल, 2019 को सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग द्वारा ग्रामवासियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की जानकारी प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त गांव में पीने के पानी की गुणवत्ता की जांच के नमूने लिये गए।

केन्द्रीय पुस्तकालय

S.N.	Type of Reading Material	In Numbers
1	Books	17150
2	E-Books	4474
3	Thesis& Dissertation	2102
4	Journals(Print)	88
5	Journals(E-Journals)	7920
6	Electronics Media	272
	Total Reading Material	32006

संगोष्ठी/कार्यशाला

- ❖ दिनांक 30-01-2019 को विश्वविद्यालय के पं मदन मोहन मालवीय मूल्य शिक्षा केन्द्र द्वारा '' भूमण्डलीकरण एवं गाँधीवादी दर्शन विषय पर राष्ट्रीय परिचर्चा का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. भगीरथ सिंह जी ने अवगत कराया कि परिचर्चा का मुख्य उद्देश्य युवाओं को गाँधी जी के जीवन से प्रेरणा लेने हेतु प्रेरित करना है। समाचार पत्रों में प्रकाशित समाचार की प्रति संलग्न अवलोकनीय है।
- ❖ दिनांक 23 फरवरी, 2019 को ''च्वाइस बेस क्रेडिट सिस्टम (सी.बी.सी.एस.)'' कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें प्रो. एस. एल. कोठारी ने विषय विशेषज्ञ के रुप में भाग लिया। इस कार्यशाला में कुलपति प्रो. भगीरथ ने कहा कि विश्वविद्यालय स्तर पर शैक्षणिक गुणवत्ता को बढ़ावा देने के लिए सेमेस्टर पाठ्यक्रमों में ग्रेडिंग सिस्टम लागू किया जाएगा जिसका मूल मूल्याकंन की कमियों को दूर कर विद्यार्थियों का मूल्याकंन स्तर निर्धारित करना है। समाचार पत्रों में प्रकाशित समाचार की प्रति संलग्न अवलोकनीय है।
- ❖ दिनांक 25-26 फरवरी, 2019 को साहित्य अकादमी, नई दिल्ली एवं विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में ''राजस्थानी कहानी परम्परा की दृष्टि-आधुनिकता की पहचान विषय'' पर दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. भगीरथ सिंह ने घोषणा की कि विश्वविद्यालय अपने स्तर पर राजस्थानी भाषा के ग्रंन्थों का प्रकाशन करवाएगा। समाचार पत्रों में प्रकाशित समाचार की प्रति संलग्न अवलोकनीय है।
- ❖ दिनांक 26 मार्च, 2019 को ''महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय द्वितीय लेक्चर सीरिज'' का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में लिपजिंग विश्वविद्यालय, जर्मनी के प्रो. हार्टमुट ऐल्सनहन्स ने ''ग्लोबलाईजेशन एण्ड इंडियाज इकोनोमिक डवलपमेन्ट : चेलेन्जेज एण्ड ऑपरच्यूनिटिज'' विषय पर प्रकाश डाला। ब्रिटिश कोलम्बिया (कैनेडा) तथा स्टेट यूनिवर्सिटी, न्यूयार्क, यू.एस.ए. के निवर्तमान विजिटिंग प्रोफेसर बी.एम. जैन ने ''चाइना राईज : इमप्लिकेशनस फॉर इण्डिया'' पर विस्तृत चर्चा की।

- ❖ दिनांक 30 मार्च, 2019 को विश्वविद्यालय द्वारा बीकानेर शहर की शुष्क पारिस्थितिकी को ध्यान में रखते हुए हरा-भरा एवं स्वच्छ पर्यावरण विकसित करने की दृष्टि से ''पुष्पों से संवाद'' कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रदर्शनी से बीकानेर शहर को स्वच्छ एवं प्रदूषण मुक्त बनाने की प्रेरणा प्रदान की गई। कार्यक्रम के फोटो एवं समाचार पत्रों की प्रति संलग्न है।

- ❖ विश्वविद्यालय में दिनांक 24 अप्रेल, 2019 को आयोजित ''महाराजा गंगा सिंह स्मृति व्याख्यानमाला में मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित पूर्व कुलपति प्रो. के.एल. शर्मा ने वर्तमान परिप्रेक्ष्य में जाति शब्द को फिर से परिभाषित करने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम के अध्यक्षीय उद्‌बोधन में माननीय कुलपति प्रो. भगीरथ सिंह ने भारतीय परिदृश्य में शहरीकरण व परिवर्तन कहां से आया, इस विषय पर सूक्ष्म अध्ययन की आवश्यकता बताई।

- ❖ कैरियर काउन्सिलिंग एण्ड प्लेसमेंट सैल द्वारा दिनांकः 25.09.2019 को एक दिवसीय कैरियर काउन्सिलिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को विदेशों में किस प्रकार पढ़ाई की जा सकती है, शिक्षा से सम्बन्धित कौन से अवसर उपलब्ध हैं, तथा कौन से उद्योग वर्तमान समय में तेजी से बढ़ रहे हैं, किस देश में अध्ययन के लिए जाना चाहिए तथा उसकी क्या प्रक्रिया है आदि पक्षों को गहराई से अवगत कराया गया।

- ❖ **कार्य स्थल पर महिला उत्पीड़न के विभिन्न आयामों पर संवाद :-** विश्वविद्यालय के सेन्टर फॉर वूमन स्टडीज एवं एंटी सेक्सुअल हैरेसमेन्ट सेल के संयुक्त तत्वाधान में महिला विद्यार्थियों की सुविधा हेतु ''सैनिटरी नैपकिन मशीन'' स्थापित की गई। इस अवसर पर एक संवाद कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें कुलपति प्रो. भगीरथ सिंह ने कहा कि सुरक्षित, संरक्षित, सम्मानित महिला का निर्माण समाज की जिम्मेदारी है।

भावी योजना वित्तीय वर्ष (2020-21)

- ❖ राज्य सरकार से नवीन रोजगारोन्मुखी विभागों की स्वीकृति उपरान्त प्रारम्भ करना।

- ❖ विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की अनुमति उपरान्त महाविद्यालय विकास परिषद (सी.डी.सी.) एवं मानव संसाधन विकास केन्द्र(एच.आर.डी.सी.-शिक्षकों/कार्मिकों के उन्नयन एवं गुणवत्ता बनाये रखने के लिए) की स्थापना।

- ❖ विश्वविद्यालय का NAAC से निरीक्षण करवाना।

- ❖ विश्वविद्यालय में नव-स्थापित सेन्टर्स को सम्बन्धित क्षेत्र में स्थापित उपक्रमों से सम्पर्क स्थापित कर क्षेत्रीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर विकसित करना।

- ❖ माइक्रो रिसर्च एवं बहु-संख्यक विषयों में शोध को बढ़ावा देना।

- ❖ विश्वविद्यालय में पारदर्शिता को सुनिश्चित करने की दृष्टि से ऑनलाईन दस्तावेजों के प्रमाणीकरण (सत्यापन) की प्रक्रिया प्रारम्भ करना।

- ❖ इण्डोर स्टेडियम, 02 शैक्षणिक भवन एवं ऑडिटोरियम का निर्माण कार्य पूर्ण करवाना।

- ❖ विश्वविद्यालय को पूर्णतः केशलेस बनाने की योजना ।

- ❖ विश्वविद्यालय में स्वीकृत शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक संवर्ग के पदों पर नियुक्ति प्रदान करने की योजना।

- ❖ विश्वविद्यालय के स्वयं परिनियम, आर्डिनेंस एवं नियम बनाने की कार्यवाही पूर्ण करना।

- ❖ विश्वविद्यालय द्वारा Placement Policy निर्धारित कर विद्यार्थियों को उनकी योग्यतानुसार भारत सरकार एवं राज्य सरकार की रोजगारोन्मुखी योजनाओं यथा Startup India, Stand up India, Make in India इत्यादि के अनुरूप स्व-रोजगार के लिए विद्यार्थियों को सहायता करने की योजना।

वर्ष 2020–21 के निर्माण कार्यों की भावी योजना

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
परिसर में बालिका छात्रावास	351.31 लाख
साईक्लिंग वैलोड्रम	930.60 लाख
इनोवेशन सेन्टर	150.00 लाख
परीक्षा भवन के विस्तार निर्माण कार्य	150.00 लाख
पीने के पानी की व्यवस्था	200.00 लाख

संचालित संकाय एवं विषयों का विवरण

विश्वविद्यालय से सम्बद्धता प्राप्त महाविद्यालयों में संचालित संकाय एवं विषयों का विवरण निम्न प्रकार है :

संकाय	पाठ्यक्रम/विषय
विज्ञान	भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, प्राणी विज्ञान, गणित, भू-गर्भ विज्ञान, जैव-तकनीकी, सूक्ष्म जीव विज्ञान, कम्प्यूटर विज्ञान, सूचना तकनीकी, सैन्य विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान एवं खाद्य एवं पोषण विज्ञान।
वाणिज्य	लेखा एवं व्यवसायिक सांख्यिकी, आर्थिक एवं वित्तीय प्रबन्धन एवं व्यवसायिक प्रशासन।
कला	हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत, राजस्थानी, उर्दू, पंजाबी, संगीत, दर्शनशास्त्र, चित्रकला।
सामाजिक विज्ञान	लोक प्रशासन, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र , गृह विज्ञान, मनोविज्ञान, समाजशास्त्र, इतिहास, भूगोल, परिधान उत्पादन एवं निर्यात प्रबन्धन, जैन विद्या एवं जीवन विज्ञान।
विधि	एलएल.बी., एलएल.एम. , पांच वर्षीय बी. ए. एल एल.बी. इन्टीग्रेटेड एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रम।
शिक्षा	बी.एड., बी.पी.एड., एम.एड., बी.एससी. बी.एड./बी.ए. बी.एड. (चार वर्षीय एंकीकृत पाठ्यक्रम, विशेष बी.एड.

कुलसचिव